# 16 विराम-चिह्न

## पाठ-योजना

### पाठ का उद्देश्य

- विराम-चिह्नों के बारे में जानना, प्रयोग को समझाना।
- विराम-चिह्नों के प्रयोग के नियमों को समझाना।
- विराम-चिह्नों के प्रयोग से वाक्य के अर्थ पर पड़ने वाले प्रभाव को समझाना।
- विराम-चिह्नों के प्रयोग से भाषा के आरोह-अवरोह का ज्ञान कराना।

### सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

### पूर्व-ज्ञान

- विराम-चिह्नों से भाषा के मौखिक रूप में क्या-क्या बदलाव आते हैं?
- भाषा के लिखित रूप में विराम-चिह्नों की क्या भूमिका है?
- क्या हिंदी भाषा के विराम-चिह्नों का स्वरूप किसी अन्य भाषा के विराम-चिह्नों जैसा है?

### प्रमुख बिंदु

- प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा तैयार करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - विराम शब्द का अर्थ है– 'रुकना'।
  - रुकने के लिए विभिन्न संकेत ही वास्तव में विराम-चिह्न हैं।
  - विराम-चिह्न कई प्रकार के हैं।
  - उद्धरण चिह्न के दो रूप हैं– इकहरा उद्धरण चिह्न (' ') तथा दोहरा उद्धरण चिह्न (" ") दोनों के प्रयोग में भी अंतर है।
  - पूर्णविराम व विस्मयादिबोधक चिह्न कुछ-कुछ एक समान प्रतीत होते हैं, परंतु इनके चिह्नों में अंतर है।
  - विराम-चिह्न की अशुद्धि भी वाक्यगत अशुद्धि के अंतर्गत आती है।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।